हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

11 अंडर-15 और अंडर-17 वर्ग में रेवाड़ी गुरुग्राम...



12 नवरात्र संपन्न, अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने अष्टमी ...





खबर संक्षेप

राखीगढ़ी महोत्सव 25 अक्टूबर तक

भिवानी। हरियाणा के राखीगढ़ी स्थित संग्रहालय एवं व्याख्या केंद्र में 19 से 25 अक्टूबर तक राखीगढ़ी महोत्सव-2026 का आयोजन हो रहा है। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा आयोजित इस महोत्सव की थीम 'माटी से महोत्सव तक' है। राखीगढ़ी सरस्वती-सिंधु सभ्यता का एक प्रमुख एवं महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है। इस महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रदर्शनियां, वृत्तचित्र, विरासत भ्रमण, ग्रामीण खेल, कार्यशालाएं और मॉक एक्सकेवेशन होंगे। महोत्सव का उद्देश्य सरस्वती-सिंधु सभ्यता के प्रमुख स्थल राखीगढ़ी की पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक विरासत से लोगों को परिचित कराना है।

28 तक दावे-आपत्तियों का निपटारा करें : डीसी

चरखी दादरी। जिले में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण जारी है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनदीप कौर ने बताया कि दावे और आपत्तियों का निपटारा 28 अक्टूबर तक होगा, जबकि अंतिम मतदाता सूची 6 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध एवं विश्वसनीय बनाने के लिए नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। नागरिक अपने नाम, पते, आयु और फोटो सहित अन्य विवरणों की जांच कर सकते हैं। त्रुटि मिलने पर निर्धारित प्रक्रिया से सुधार करवाएं। उन्होंने अधिकारियों को पुनरीक्षण कार्य समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए।

अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पा रहा है पानी, किसान चिंतित

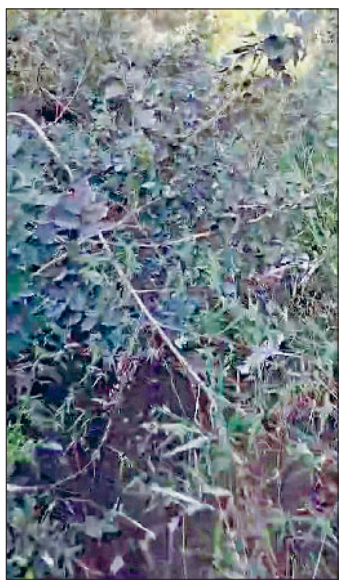
शिल्ट व झाड़ियों की वजह से टेल पर नहीं पहुंचा पानी

नहीं हुई माइनरों की सफाई कैसे होगी फसलों की बिजाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मानसून की विदाई हो चुकी है,लेकिन अभी तक सिंचाई विभाग की माइनरों व नहरों की सफाई को लेकर नींद नहीं टूटी है। बीते माह नहरी पानी पहुंचा,लेकिन ज्यादा शिल्ट व झाड़ियों की वजह से अंतिम छोर तक पानी पहुंच ही नहीं पाया। हालात ये बने है कि झाडियों की वजह से माइनर नजर ही नहीं आ रहे है। इस बारे में कई बार किसानों ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से शिकायत की,लेकिन अभी तक सफाई को लेकर अधिकारी हरकत में ही नहीं आए है। जिस वजह से इस माह के अंतिम सप्ताह में नहरी पानी पहुंचा तो फिर से अंतिम छोर पर पानी का टोटा रहने की आशंका बन गई है।

जिले की अधिकांश नहर व माइनर शिल्ट से अटे हुए है। कई जगहों पर एक से दो फुट तक शिल्ट जमा है। शिल्ट के साथ माइनरों के उपर उगी घास व झाड़ियां उपर से आपस मिली हुई है। दूर से देखने पर माइनर ही नजर नहीं आ रहे है। यह स्थिति किसी एक माइनर की नहीं बल्कि अधिकांश माइनरों की इसी तरह की स्थिति बनी हुई है। कई जगहों पर किसानों ने अपने स्तर पर माइनरों पर उगी घास को काटा है,लेकिन जब तक माइनर में जमी शिल्ट को नहीं निकाला जाता तब तक पानी अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पाएगा। माइनरों में आधा फुट तक शिल्ट जमी हुई है। माइनरों के पुलों के पास उक्त शिल्ट की मोटाई कुछ ज्यादा ही हो रही है। जिससे पानी आगे नहीं बढ़ पाता। फिलहाल किसानों के खेतों को सिंचाई की बेहद सख्त जरूरत है। क्योकिं बारिश नहीं हुई। जिस वजह से भूमि में नमी की कमी बनी हुई है। अगर पर्याप्त नहरी पानी नहीं पहुंचता तो इस बार अनेक किसानों के खेत खाली रह जाएंगे। यहां यह बताते चले कि सितम्बर माह में मानसून की विदाई हो जाती है और उसी माह में माइनरों की सफाई का कार्य हो जाता है,लेकिन इस बार सितम्बर माह पूरा बीत गया,लेकिन अभी तक माइनरों की सफाई का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। जिसके चलते माइनरों व नहरों की टेल तकपानी नहीं पहुंच पाता। अनेक किसानों के खेत बिना सिंचाई के रह जाते है।



भिवानी। सफाई नहीं होने से माइनर के उपर उगी झाड़ियों का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

टीएसएल माइनर की सफाई को लेकर तीन गांवों के ग्रामीण मिले अफसरों से



हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ अधिकारी ने तत्काल सफाई करवाए जाने का भरोसा दिलाया

तालू सिवाड़ा लिंक माइनर की सफाई की मांग को लेकर गांव लोहारी जाटू, मंढाणा व पुर के किसान सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता से मिले। इस दौरान किसानों से अधिकारियों से माइनर की सफाई कराए जाने की मांग की। ताकि माइनर के अंतिम छोर तक पानी पहुंच सके।

इस पर अधिकारी ने किसानों को तत्काल माइनर की सफाई करवाए जाने का भरोसा दिलाया। कार्यकारी अभियंता को सौंपे ज्ञापन में गांव लोहारी जाटू के किसान हरपाल चौहान, सुभाष, राजेश,रणबीर,मंढाणा से हवा सिंह, जयभगवान तथा पुर गांव से प्रेम व कई अन्य मौजूद किसानों ने अधिकारी को बताया कि माइनर की सफाई न होने से पानी का बहाव कम हो रहा है। शिल्ट व उगे घास की वजह से पानी का बहाव रूक रहा है। सुंदर नहर फुल होने के बाद भी माइनर के अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच पाता। जिससे अधिकांश किसानों के खेत बिना सिंचाई के रह गए है। किसानों ने बताया कि विगत में सुंदर नहर में नहरी पानी पहुंचा,लेकिन सफाई न होने की वजह से तालू सिवाड़ा लिंक माइनर के अंतिम छोर पानी ही नहीं पहुंच पाया। फिलहाल बारिश भी नहीं हुई और नहरी पानी की भी कमी बनी हुई है। जिसके चलते किसानों के अधिकांश खेत बिना सिंचाई के रहने के आसार बन गए है। इस पर कार्यकारी अभियंता ने तत्काल माइनर की सफाई करवाने के एसडीओ को निर्देश जारी कर दिए।

खाद के लिए किसानों की लगी कतारें



बाढ़ड़ा। रबी फसल की बुवाई के सीजन के बीच बाढ़ड़ा सोसाइटी में डीएपी खाद की खेप पहुंचने से किसानों को कुछ राहत मिली, लेकिन खाद लेने के लिए किसानों को दिनभर परेशानियों का सामना करना पड़ा। सोमवार को सोसाइटी में खाद लेने के लिए किसानों की लंबी कतारें लगी रहीं। सुबह से ही किसान खाद लेने के लिए पहुंचने लगे और अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। भीड़ को देखते हुए व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रही। समिति प्रबंधक मुकेश ने बताया कि सोसाइटी में किसानों को ऑनलाइन माध्यम से डीएपी खाद वितरित की जा रही है। नियमानुसार प्रति एकड़ एक कट्टा खाद दिया जा रहा है, ताकि किसानों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत खाद उपलब्ध करवाई जा सके। खाद लेने पहुंचे किसान राजबीर, राजेश, सोनू, अनिल और रामबीर आदि ने बताया कि डीएपी खाद के लिए उन्हें दिनभर परेशान होना पड़ा। किसानों ने कहा कि रबी फसल की बुवाई के समय डीएपी खाद की जरूरत होती है। ऐसे में खाद लेने के लिए घंटों लाइनों में खड़े रहने से उनका समय भी बर्बाद हुआ। पुलिस की मौजूदगी में हुआ खाद वितरण सोसाइटी परिसर में किसानों की भीड़ बढने के कारण व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस टीम मौजूद रही। , ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से खाद वितरण का कार्य जारी रहा।

50% कर्मचारी अन्य विभागों से लगाने की मांग



भिवानी। मांगों को लेकर डीईओ को ज्ञापन सौंपते हुए।

भिवानी। सभी प्रमुख शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने जनगणना 2026-27 के द्वितीय चरण में 50 प्रतिशत कर्मचारी अन्य सरकारी विभागों से नियुक्त करने की मांग को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी विनय कुमार जिंदल को ज्ञापन सौंपा। शिक्षक संगठनों ने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण में अप्रैल-मई के दौरान शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसके बाद जून से शिक्षा विभाग के अनेक कर्मचारी एसआईआर के कार्य में भी लगातार जुटे हुए हैं। इससे विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। प्रतिनिधियों ने कहा कि जनगणना का दूसरा चरण जनवरी-फरवरी में प्रस्तावित है। यह समय पाठ्यक्रम पूरा करवाने, पुनरावृत्ति और वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में शिक्षकों की ड्यूटी लगाने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। उन्होंने मांग की कि कुल नियुक्त कर्मचारियों में 50 प्रतिशत अन्य विभागों से लिए जाएं। इस अवसर पर भूपेंद्र चाहर, कृष्ण मलिक, संदीप ढोचक, अरुण ढिल्लो, अजीत राठी, महेंद्र श्योराण, प्रवेश गौतम और राजेश कौशिक सहित अन्य शिक्षक प्रतिनिधि मौजूद रहे।



भिवानी। मंडी में किसानों से बात करते चेयरमैन रामकिशन शर्मा।

वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के चेयरमैन ने मंडी में जांची खरीद व्यवस्थाएं

चरखी दादरी। हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के चेयरमैन अधिवक्ता रामकिशन शर्मा ने सोमवार को दादरी अनाज मंडी का निरीक्षण कर फसल खरीद प्रक्रिया और किसानों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की फसल का एक-एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फलस बेचने के दौरान किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। इस अवसर पर शर्मा ने अटल सेवा कैंटीन के भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली।

कंपनियों के निजीकरण और पैरेलल लाइसेंस के खिलाफ गरजे बिजलीकर्मी

भिवानी। सरकार द्वारा 11 निजी पावर कंपनियों को पैरेलल लाइसेंस देने और एग्रो डिस्कॉम के गठन के प्रस्ताव के विरोध में मंगलवार को ढ़िगावा जाटान में बिजली कर्मचारियों, इंजीनियरों, किसानों और ग्रामीण सरपंचों ने प्रदर्शन किया। हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए फैसले वापस लेने की मांग की।हरियाणा पावर इंजीनियर्स एसो. के प्रवक्ता इंजीनियर नारायण प्रकाश ने कहा कि निजीकरण से सरकारी बिजली कंपनियां कमजोर होंगी और आम जनता पर महंगे बिजली बिलों का बोझ बढ़ेगा। उन्होंने सरकार से जनविरोधी नीतियां वापस लेने की मांग की। किसान नेता मेवा सिंह और सतबीर सिंह ने कहा कि बिजली क्षेत्र के निजीकरण से किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों को सबसे अधिक नुकसान होगा। इससे कृषि सब्सिडी और निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि फैसले वापस नहीं लिए गए तो जिलेभर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।



गांव कलाली की रितु का कॉम्नवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप के लिए चयन



■ 21 से 31 तक अहमदाबाद में होगी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, भारतीय टीम का करेंगी प्रतिनिधित्व

चरखी दादरी। गांव कलाली की कबड्डी खिलाड़ी रितु मिठारवाल का कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। रितु की इस उपलब्धि से उनके परिवार, गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने इसे गांव और प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताते हुए उन्हें प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी हैं। कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप का आयोजन गुजरात के अहमदाबाद में 21 से 31 अक्टूबर तक किया जाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में विभिन्न देशों की टीमें भाग लेंगी। रितु इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। इस अवसर पर कलाली के ग्रामीणों ने इंडिया कबड्डी फेडरेशन के अध्यक्ष तेजस्वी गहलोत के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने रितु के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।



पुलिस की एक टुकड़ी तीनों पुतलों की 24 घंटे सुरक्षा करेगी

'पुलिस पहरे में रावण, कुम्भकरण व मेघानाथ'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

विजयदशमी की पूर्व संध्या पर किरोड़ीमल पार्क में स्थापित किए गए सौ-सौ फुट के रावण मेघनाथ व कुम्भकरण के पुतलों के लिए सुरक्षा बैठा दी। पुलिस की एक टुकड़ी तीनों पुतलों की 24 घंटे सुरक्षा करेगी। हालांकि पुतलों का मंगलवार शाम आठ बजे दहन किया जाएगा,लेकिन इससे पहले किसी तरह की अनहोनी से बचने के लिए पुलिस के जवान गश्त करते रहेंगे।

पुतले तैयार होते ही पुलिस प्रशासन ने एक टूकड़ी तैनात कर दी। जो कि पुतलों की रखवाली कर रही है। 20 अक्तूबर को विजय दशमी का पर्व है और शाम आठ बजे मुहुर्त के हिसाब से रावण, मेघनाथ व कुम्भकरण के पुतलों का दहन होगा। फिलहाल पुतलों के नजदीक फटकने तक नहीं दे रही। पुतलों से 100 मीटर दूर से ही लोगों को हटा रही है। हालांकि सौ सौ फुट के पुतलों को देखने के लिए शहर के लोग पहुंच रहे है,लेकिन उनको पुतलों के नजदीक जाने नहीं दिया जा रहा है।



भिवानी। रावण की सुरक्षा में तैनात पुलिस जवान। फोटो : हरिभूमि

लोग दूर से ही ले रहे हैं सेल्फी

सौ-सौ फुट के बने रावण,मेघनाथ व कुम्भकरण के पुतलों के साथ शहर के लोग सेल्फी लेना चाह रहे है,लेकिन सुरक्षा का हवाला देकर पुलिस उनको नजदीक नहीं जाने दे रही है। जिसके चलते लोग दूर से ही पुतलों के साथ अपनी सेल्फी ले रहे है। इनमें सबसे ज्यादा युवा तबका है। इनके अलावा अधेड़ भी पुतलों को देखने के लिए पहुंच रहे है। पार्क में पुतलों को देखने वालों का अच्छी खासी भीड़ बनी है। यहां यह बताते चले कि उक्त पार्क में पिछले कई दिनों से रामलीला का मंचन भी हो रहा है। जिसमें शहर के अनेक लोग पहुंच रहे है। उन सभी कारणों को देखते हुए पार्क की सुरक्षा व्यवस्था चॉक चौबंद कर दी है।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
20 अक्टूबर 2026

सहेली

विशेष: विजय दशमी



विजय दशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का, अधर्म पर धर्म की जीत का, अनीति पर नीति की जीत का और अन्याय पर न्याय की जीत का उत्सव है। उत्सव मनाने के साथ ही यह पर्व हर तरह की दुष्प्रवृत्ति का प्रतिकार करने का संदेश भी देता है। महिलाओं के लिए इस पर्व में निहित संदेश बहुत मायने रखते हैं। केवल अपने घर-परिवार में ही नहीं आस-पड़ोस और समाज में भी किसी प्रकार के दुर्व्यवहार या अन्याय के प्रतिकार का सामर्थ्य हर महिला में अवश्य होना चाहिए।

जरूरी है बुराइयों के प्रतिकार का सामर्थ्य

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

हमारे परंपरागत पर्व हर मोर्चे पर जीवन साधने की सीख लिए होते हैं। नवरात्र के नौ दिनों में मन की शक्ति जुटाने के बाद आने वाला विजय दशमी का पर्व बुराई के प्रतिकार का हौसला रखने का संदेश देता है। यह त्योहार अहंकार और आक्रामकता पर विनम्रता और अच्छाई की जीत का उत्सव है। प्रभु श्रीराम की विजय के इस पावन पारंपरिक पर्व पर महिलाएं भी व्यावहारिक जीवन में बुराइयों से जूझने का पाठ पढ़ सकती हैं। असल में किसी भी तरह की बुराई से लड़ने के लिए मन की शक्ति को साधने के साथ ही समझ और सूझ-बूझ के साथ जीवन के मैदान में डटे रहना होता है। घर हो या बाहर, महिलाएं अपनी समझ, स्नेह और साथ-सहयोग के भाव संग हर तरह की नकारात्मक सोच, दुर्व्यवहार और दुष्प्रवृत्ति को मात दे सकती हैं।

स्पष्ट सोच और मजबूत मन

सबसे पहले तो हर स्त्री को खुद में, अपने ही जीवन से जुड़ी परेशानियों का प्रतिकार करने की सोच लानी होगी। उन समस्याओं के कारणों को समझना होगा। संबंधों से जुड़ी उलझनें हों या दूसरों के गलत व्यवहार से उपजी तकलीफें, हिम्मत के साथ दिलोदिमाग में स्पष्टता भी रखनी होगी। यूं भी जिंदगी के किसी भी मोर्चे पर मन-मस्तिष्क को मजबूत



बनाकर ही किसी बुराई से जूझा जा सकता है। सधी सोच हो, तो ही गलत बात का विरोध किया जा सकता है। नकारात्मकता से लड़ा जा सकता है। मुखर होकर अपनी बात कही जा सकती है। इसीलिए बात परिवार की हो या परिवेश की, सबसे पहले हालात को समझते हुए अपने दिलोदिमाग की उथल-पुथल को ठहराव दें। यह साफ समझें कि किसी तरह के बुरे बर्ताव, बोलचाल या बदसलूकी का विरोध करना है, तो करना है। इसमें अपना पराया न देखें। गलत को गलत कहने के लिए अपनी सोच स्थिर और स्पष्ट रखें। बुराई से लड़ने के मामले में एक बार कदम आगे बढ़ा लें तो पीछे ना हटें। यह तभी संभव है, जब अपनी सोच और मन मजबूत हो।

सहयोग लेने का रखें सहज भाव

प्रभु श्रीराम ने रावण से युद्ध जीतने के लिए वानरों का भी सहयोग लिया। अधर्म से दूरी बनाकर निःस्वार्थ भाव से दिए गए विभीषण के मार्गदर्शन को मान दिया। माता सीता को वापस लाने की जद्दोजहद में विनम्रता के साथ सबकी सलाह सुनी। दूसरों के विचारों को मान दिया। महिलाओं को भी बुराइयों के प्रतिकार हेतु ऐसी ही सहज समझ रखनी चाहिए। किसी की सहायता करने के लिए बड़ा दिल रखना ही नहीं, सहायता लेने की खुली सोच रखना भी बुराई से लड़ने के लिए जरूरी है। पर्सनल फ्रंट हो या सामाजिक-पारिवारिक मोर्चा, बुराई से अकेले नहीं लड़ा जा सकता।

साथ, सहयोग देने और जुटाने का गुण हर मुश्किल और अमानवीय बुराई से जूझने के लिए जरूरी है। इसके लिए अहंकार से बचें। यहां तक कि किसी महिला का साथ देने के लिए पुरुष का सहयोग लिया जा सकता है। आपसी समझ अच्छी हो तो पति, बेटे, भाई या पिता, स्त्री जीवन से जुड़ी समस्या से लड़ने में भी आपके मददगार बन सकते हैं। कई बार मुश्किल वक्त में भी ईगो साथ लेने ही नहीं, सहयोग देने में भी खूब आड़े आता है। जबकि स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन समझाता है कि सभी को साथ लेकर चलने की सोच, घर से लेकर बाहर तक बड़े बदलाव लाने का माध्यम बनी है। बुराइयों से जूझने के दौर में संबल देने वाली साबित हुई है।



अच्छाई का साथ देने का सामर्थ्य

बुराई के प्रतिकार के साथ ही इसको जड़ें जमाने से रोकने के लिए भी अच्छाई का साथ देना जरूरी है। नेकी का परिवेश नकारात्मक को फलने-फूलने नहीं देता। असत्य पर सत्य की जीत का पर्व, दशहरा भी यही समझाता है कि चाहे जितनी भी मुश्किलें आएं, विजय सच की ही होती है। सच्चाई के साथ अच्छाई के लिए लड़ना आसान हो जाता है। बुराई से जीतने की जंग कठिन होने पर भी उस पर चलने की हिम्मत बनी रहती है। सही बात का समर्थन करने का साहस बना रहता है। इसीलिए फायदे-नुकसान या मुश्किल-आसान के फेर में न पड़कर सच के साथ खड़ी रहें। घरेलू मामलों में कई बार सही-गलत का चुनाव मुश्किल हो जाता है। किसी एक पक्ष का साथ देने का दबाव भी रहता है। स्वतंत्र निर्णय लेने से रिश्तों में और उलझनें बढ़ने की फिक्र भी सताती है। पर याद रहे कि सही रास्ता चुनना और सही के साथ खड़े होने का गुण ही आपके सजग अस्तित्व का प्रतीक है।

दूरदर्शी सोच अपनाएं

ससुराल में बेटी के हिस्से आ रही बेवजह की तकलीफें हों या असुरक्षा के घेरे में फंसी आस-पड़ोस की कोई महिला, बहुत-सी स्त्रियां इन बातों-हालातों को समझती हैं, लेकिन साथ देने में जरा देर कर देती हैं। 'सब ठीक हो जाएगा' की सोच से बुराई के घाव अकसर नासूर बन जाने के बाद संभाले जाते हैं। समय रहते चेत जाने का गुण हर तरह की अनीति और अपराध से लड़ने का मुख्य हथियार है। छेड़छाड़ के दुर्व्यवहार की अनदेखी का नतीजा कई बार बर्बर घटना के रूप में सामने आता है। अपने बच्चों का बचपना लगने वाली दिशाहीनता, विरोध न किया जाए तो वे अपराध तक कर बैठते हैं। समय रहते सख्ती न बरती जाए तो बच्चे बुरी लत में फंस जाते हैं। देवरानी-जेठानी हों या घर के बड़े-बुजुर्ग छोटा-मोटा मनमुटाव रिश्तों में एक कटुता पैदा कर देता है। इसीलिए महिलाओं को समझना होगा कि सभी बुराइयों की शुरुआत बहुत आम से लगने वाले व्यवहार से होती है। एक सामान्य या मन को उद्वेलित करने वाला विचार हर तरह की नकारात्मकता की जड़ बन जाता है। जरूरी है कि स्त्रियां छोटी-छोटी बातों को लेकर भी सचेत रहें। विवेकशील सोच के साथ समस्याओं से जूझने के कदम उठाएं। समय रहते चेत जाएं तो परिवार हो या समाज, हर अनैतिक और असभ्य व्यवहार को पहले ही कदम पर रोका जा सकता है। दूरदर्शिता का गुण दुष्प्रवृत्ति से लड़ने के लिए बहुत जरूरी है। बुराई के जड़ें जमाने से पहले ही उखाड़ फेंकने के लिए भी यह दूरदर्शिता आवश्यक है।

अपनी बुराइयों के अंत के लिए बच्चों को ऐसे करें प्रेरित

नादान बच्चे अनजाने में कुछ बुरी आदतें अपना लेते हैं। इन बुरी आदतों को अभिभावक डांटकर नहीं, प्यार से सुधारें। उन्हें अच्छी आदतों के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही बड़े बच्चों के सामने अपना आचरण भी ऐसा रखें कि वे अच्छी बातें अपनाने के लिए प्रेरित हों।

बच्चे और आप
पूर्ति खरे



हर साल दशहरे पर बच्चे अपने माता-पिता के साथ रावण दहन देखने जाते हैं। जब बच्चे रावण के पुतले को जलते हुए देखते हैं, तो उनके मन में कई सवाल उठते हैं- रावण क्यों जलाया जाता है? अगर बुराई पर अच्छाई की जीत का नाम विजय दशमी है, तो अच्छाई और बुराई कैसे पहचानें? हम अच्छे कैसे बनें? आप बच्चों के मन में उठते इन सवालों का जवाब जरूर दें, उन्हें बताएं कि विजय दशमी में बुराई पर अच्छाई की जीत केवल राम और रावण की कहानी नहीं है, यह कहानी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ती है। यह हमारे लिए एक बड़ा सबक है। हम बच्चों को कैसे बुराइयों से दूर रखें, उन्हें अच्छा बनने के लिए प्रेरित करें, यहां विस्तार से जानिए

गलती स्वीकारना और सुधारना सिखाएं: बच्चा झूठ बोलता है, गुस्सा करता है या अपनी गलती स्वीकार नहीं करता, तो हम उसे जिद्दी, झूठा या बिगड़ैल कह देते हैं। लेकिन बच्चे को डांटने या बुरा कहने के बजाय उसके व्यवहार को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। उसे समझाएं कि गलती किसी से भी हो सकती है, लेकिन उसे स्वीकार करना और सुधारना एक अच्छी बात है।



डांटकर नहीं, प्यार से समझाएं: मान लीजिए, बच्चे ने खेलते समय कोई सामान तोड़ दिया है। डर के कारण वह झूठ बोल देता है कि उसने नहीं तोड़ा। ऐसे में बच्चे को अपमानित करने के बजाय प्यार से पूछें, 'सच-सच बताओ, यह चीज टूटी कैसे। प्रॉमिस करो, आगे से ऐसी कोई हरकत नहीं करोगे, जिससे कोई नुकसान हो।' इससे बच्चा समझेगा कि सच बोलना, गलती छिपाने से बेहतर है।

तुलना नहीं, प्रोत्साहित करें: जब बच्चे के किसी दोस्त को अच्छे अंक मिलते हैं या भाई-बहन को कोई उपहार मिलता है, तो बच्चे के मन में ईर्ष्या के भाव आ सकते हैं। ऐसे में उसे डांटने के बजाय समझाएं कि किसी दूसरे की सफलता का मतलब हमारी हार नहीं है। किसी दूसरे बच्चे से तुलना करने के बजाय, उसको अच्छे प्रयास करने के लिए प्रेरित करें, उसके इस प्रयास के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि वह अपनी क्षमताओं पर भरोसा करना सीखें।

बातें सुनें और जिम्मेदारियां समझाएं: बच्चों के साथ बैठकर उनकी बात सुनें और उन्हें अपनी जिम्मेदारियां समझाएं। साथ ही अपने व्यवहार से भी वही उदाहरण प्रस्तुत करें, जिसकी अपेक्षा आप बच्चों से करते हैं। बच्चों में सही गलत बात की सीख और समझ जरूर विकसित करें। वह कभी किसी के दबाव में आकर कोई गलत काम ना करें, न ही किसी गलत बात का समर्थन करें। बच्चों को गलत बातों का विरोध करना भी सिखाएं। वे हमेशा सच्चाई का साथ दें, झूठ से दूर रहें।

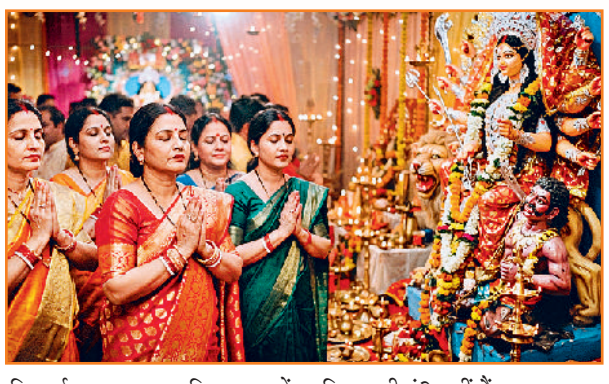
सकारात्मक परवरिश का सार : क्यों न, इस विजय दशमी परिवार के सभी सदस्य अपनी एक बुरी आदत खत्म करने का संकल्प लें। जैसे- बच्चा कहे कि वह गलती होने पर सच-सच बताएगा। माता-पिता संकल्प लें कि वे गुस्से में ऊंची आवाज में नहीं बोलेंगे। पैरेंट्स भी उन बुरी आदतों को छोड़ेंगे, जिनके लिए अपने बच्चों को रोकते-टोकते हैं। सप्ताह के अंत में परिवार के सभी सदस्य बैठकर आपस में चर्चा करें कि कौन, कितना अपना संकल्प अमल में लाया। कोई गलती होने पर गुस्साने के बजाय बच्चों को सुधारने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को यह भी समझाएं कि दूसरों का मजाक उड़ाना या किसी कमजोर को परेशान करना सही नहीं है। यदि वे किसी को दुःख पहुंचाते हैं, तो उनसे माफी मांगे और अपनी गलती सुधारें। जिस दिन बच्चा अपनी गलती पहचानकर उसे सुधारने की कोशिश करना सीख जाता है, उसी दिन बुराइयों पर अच्छाई की जीत शुरू हो जाती है। ऐसी ही छोटी-छोटी जीतें मिलकर एक संवेदनशील और जिम्मेदार इंसान बनाती हैं। यही विजय दशमी की सच्ची सीख है, यही सकारात्मक परवरिश का सार भी है।

दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक तो है ही। यह पर्व प्रतीकात्मक रूप में महिलाओं को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने के लिए भी प्रेरित करता है, नई पीढ़ी को संस्कारित भी करता है।

महिलाओं के लिए शक्ति आह्वान संस्कार पोसने का पर्व है दशहरा

पर्व-संदेश
वीरेंद्र बहादुर सिंह

दशहरा यानी विजय दशमी, बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व तो है ही, साथ ही महिलाओं के लिए दशहरा अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और नई पीढ़ी को संस्कारित करने का अवसर भी है।



नारी शक्ति का प्रतीक देवी दुर्गा: विजय दशमी से जुड़ी देवी दुर्गा और महिषासुर की कथा, नारी शक्ति का सबसे प्रभावशाली प्रतीक मानी जाती है। इस कथा का संदेश आज भी प्रासंगिक है। महिला चाहे गृहिणी हो, नौकरीपेशा हो, व्यवसायी हो या किसी अन्य क्षेत्र में कार्यरत हो, उसके भीतर परिस्थितियों से संघर्ष करने और परिवार को संभालने की अद्भुत क्षमता होती है।



बच्चों को देती हैं संस्कार: बच्चों को रामायण की कथा सुनाना, सत्य-धर्म का महत्व समझाना तथा बड़ों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना भी हमारी माताओं और दादियों की परंपरा का हिस्सा रहा है। इस तरह महिलाएं त्योहार के माध्यम से संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाती हैं। आज इस बात की बहुत जरूरत है कि बच्चों (खासतौर पर बेटियों) को केवल त्योहारों की पूजा-पद्धति न सिखाई जाए, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता, शिक्षा, आत्मरक्षा, निर्णय लेने की क्षमता और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता का संस्कार भी दिया जाए। दशहरा हमें सिखाता है कि शक्ति का अर्थ केवल बाहरी सामर्थ्य नहीं, बल्कि सही और गलत के बीच अंतर समझना है।

करें आत्मचिंतन: दशहरे पर घर में पूजा, दीप प्रज्ज्वलन, शंखनाद और आरती के साथ वातावरण भक्तिमय हो जाता है। लेकिन त्योहार की सार्थकता तब और बढ़ती है, जब पूजा के साथ आत्मचिंतन भी किया जाए। आप स्वयं से पूछ सकती हैं कि क्या मैं अपने लिए भी समय निकालती हूं? कहीं मैं आत्मसम्मान से समझौता तो नहीं कर रही? इन सवालों के जवाब आपको आत्मसुधार के लिए प्रेरित करेंगे।

चुनौतियां से लड़ने की प्रेरणा: रावण के दस सिर को यदि प्रतीकात्मक रूप से देखें, तो वे अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या और अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों की याद दिलाते हैं। महिलाओं के जीवन में भी कई प्रकार की सामाजिक और मानसिक चुनौतियां आती हैं। भेदभाव, असुरक्षा, रूढ़ियां, आत्मविश्वास की कमी और दूसरों की अपेक्षाओं का दबाव जैसी नकारात्मकताओं पर विजय पाने की प्रेरणा भी यह पर्व देता है।

वास्तविक विजय का अर्थ: दशहरा इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह आपको अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने का अवसर देता है। इस दिन अपने भीतर के डर, हीनभावना, क्रोध या आत्मविश्वास की कमी को भी दूर करने का संकल्प लें, तो विजय दशमी पर्व का संदेश और सार्थक हो सकता है।

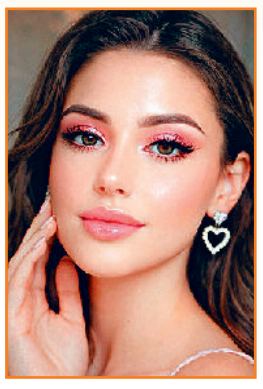
फेस्टिव सीजन के लिए परफेक्ट है मिनरल मेकअप

मेकअप
प्रीति गुप्ता

जब बात फेस्टिव सीजन में सजने-संवरने की आती है, तो महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए खूब चाव से मेकअप करती हैं। जहां पहले के दौर में फेस्टिव मेकअप में हैवी फाउंडेशन, कंसीलर और कई लेयर वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल ज्यादा किया जाता था, वहीं अब नेचुरल और लाइट मेकअप का ट्रेंड पसंद किया जा रहा है। इसी वजह से मिनरल मेकअप भी महिलाओं के बीच पॉपुलर हो रहा है। इसमें चेहरे को बहुत ज्यादा ढंकने के बजाय त्वचा की नेचुरल खूबसूरती को बनाए रखने पर जोर दिया जाता है।

त्वचा को करें तैयार: मिनरल मेकअप का अच्छा लुक पाने के लिए पहले पहले स्किन की तैयारी जरूरी है। चेहरे को साफ करने के बाद अपनी स्किन टाइप के अनुसार मॉयश्चराइजर लगाएं। दिन में फंक्शन है तो सनस्क्रीन लगाना न भूलें। अच्छी तरह मॉयश्चराइज की गई त्वचा पर मेकअप ज्यादा स्मूद दिखाई देता है।

मिनरल फाउंडेशन करें यूज: अगर आप मिनरल फाउंडेशन या मिनरल पावडर इस्तेमाल कर रही हैं, तो इसकी बहुत मोटी लेयर लगाने से बचें। जहां जरूरत हो, वहीं हल्की मात्रा में लगाएं। इसका उद्देश्य आपकी रंगत को थोड़ा समान दिखाना है। इससे चेहरा नेचुरल नजर आएगा।



कंसीलर सिर्फ जरूरत वाली जगह लगाएं: त्योहारों के मेकअप में आंखों के नीचे हल्के डार्क सर्कल या छोटे दाग-धब्बों को कवर करने के लिए कंसीलर लगाया जा सकता है। लेकिन पूरे चेहरे पर इसकी मोटी परत लगाने की जरूरत नहीं है। कम प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से मेकअप ज्यादा नेचुरल ही नहीं अधिक आकर्षक भी दिखाई देता है।

आंखों को दें सॉफ्ट टच: आंखों के लिए बहुत ज्यादा गहरा मेकअप करने के बजाय ब्राउन, गोल्डन या सॉफ्ट शिमरी शेड चुन सकती हैं। पतली आईलाइनर लाइन और हल्का सा मस्कारा आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए काफी है। अगर शाम का फंक्शन है, तो आंखों के अंदरूनी कोने पर हल्का शिमर लगाया जा सकता है।

ब्लश से मिलेगी फ्रेशनेस: मिनरल मेकअप में ब्लश का इस्तेमाल चेहरे को फ्रेश और हेल्दी लुक देने के लिए किया जाता है। पीच, सॉफ्ट पिंक या रोजी शेड के ब्लश, त्योहारों के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ब्लश को गालों पर हल्के हाथों से लगाएं ताकि ब्लश का शेड ज्यादा गहरा न दिखे।

होंठों पर सॉफ्ट कलर: मिनरल मेकअप के साथ होंठों पर न्यूड, रोज, पीच या सॉफ्ट ब्राउन शेड खूबसूरत लग सकते हैं।

हाईलाइटर: सबसे लास्ट में चीकबोंस, नाक के ऊपरी हिस्से और आंखों के अंदरूनी कोने पर थोड़ी मात्रा में हाईलाइटर लगाएं।

(ब्यूटी एक्सपर्ट सिमरन अरोड़ा से बातचीत पर आधारित)

त्योहारों में जरूरी है खुद की देखभाल

त्योहार अपनों के साथ खुशियां मनाने के लिए होते हैं, खुद को थकाकर बीमार करने के लिए नहीं। जब आप अपना ध्यान रखेंगी, देखभाल करेंगी, तभी त्योहारों का असली आनंद ले पाएंगी।

सेल्फ केयर
पारुल अग्रवाल मित्तल

पर्व-त्योहार खुशियां लेकर जरूर आते हैं, लेकिन इन दिनों घर की महिलाओं के काम बहुत ज्यादा बढ़ जाते हैं। घर की साफ-सफाई, खरीदारी, पकवान बनाना और मेहमानों की खातिरदारी का सारा बोझ उन पर ही होता है। इससे अकसर महिलाएं तनाव में आ जाती हैं, इसे मेडिकल भाषा में फेस्टिव बर्नआउट हैं। इसलिए त्योहारों पर कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अपने आपको न भूलें: त्योहारों में महिलाओं की जिम्मेदारियां बहुत बढ़ जाती हैं। वे यह भूल जाती हैं कि त्योहार की खुशी में उनका अपना हिस्सा भी उतना ही जरूरी है, जितना बाकी सबका। इसलिए इस बार त्योहार की तैयारी में अपने आपको भूलें नहीं, त्योहार की खुशी का हिस्सा बनें।

अपने लिए सजे-संवरें: त्योहार पर सजना-संवरना सिर्फ दूसरों की खुशी के लिए नहीं, अपनी खुशी के लिए भी जरूरी है। आप अपनी पसंद की ड्रेस पहनें, बाल संवारें, मेकअप करें, अपनी पसंद की कोई एसेसरी पहनें। ये सब अपने आपको खुशी देते हैं। त्योहार पर आईने में खुद को देखकर मुस्कुराना आत्मविश्वास बढ़ाता है। इस आत्मविश्वास की एक अलग ही खुशी महसूस होती है।



मुस्कुराता हुआ हो आपका चेहरा: त्योहारों की रोशनी सिर्फ घर के दीयों से ही नहीं, घर के लोगों के मुस्कुराते चेहरों से भी आती है। इस रोशनी में सिर्फ आपका मुस्कुराता चेहरा ही नहीं, परिवार के बाकी सदस्यों का चेहरा भी मुस्कुराता हुआ होना जरूरी है। इसलिए इस त्योहार घर की सफाई करते हुए अपने मन की थकान भी हमेशा साफ रखें। त्योहारों की छोटी-सी सेल्फ-केयर है, काम का बेहतर बंटवारा। इससे आपको खुशी मिलेगी और घर में खुशनुमा माहौल भी बनेगा।

स्वाद के साथ सेहत का भी रखें ख्याल: त्योहारों पर अधिक मिठाइयां और तला-भुना खाना शरीर पर भारी पड़ सकता है। इसके लिए डाइट को बैलेंस करें। एक टाइम हैवी डाइट ली है, तो दूसरे टाइम कुछ लाइट खाएं। बार-बार चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक्स से बचें। पानी पर्याप्त मात्रा में पीती रहें। भोजन में फल, सलाद और हल्का खाना शामिल करें। त्योहार की खुशी अगले दिन भारीपन, एसिडिटी या थकान में न बदल जाए, इसका ध्यान रखना अपनी देखभाल का हिस्सा है।

पर्याप्त नींद लें: त्योहारों की तैयारियों में अकसर रात देर तक जागना और सुबह जल्दी उठना सामान्य सी दिनचर्या हो जाती है। कुछ जिम्मेदारियां परिवार के दूसरे सदस्यों को भी दें और अपनी नींद को प्राथमिकता दें। इससे आप अपना फ्रेश फील करेंगी।

काम के बीच लेती रहें ब्रेक

जब आप लगातार काम करती हैं, तो शरीर और दिमाग दोनों थक जाते हैं। ऐसे में त्योहारों से पहले अपने सभी कामों की सूची बना लें। कोशिश करें कि आप कामों के बीच छोटे-छोटे ब्रेक लें। इस दौरान चाय-कॉफी के साथ कुछ देर शांत बैठना, थोड़ी देर टहलना, संगीत सुनना या फिर बस आंखें बंद करके आराम करना भी पर्याप्त है, इससे आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और चेहरे पर ताजगी बनी रहेगी।



राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में प्रदेश से 800 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

अंडर-15 और अंडर-17 वर्ग में रेवाड़ी गुरुग्राम-फरीदाबाद के खिलाड़ी चमके

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान व बैडमिंटन वेलफेयर एसो. भिवानी द्वारा बर्डी बैडमिंटन एरिना में हुई 59वीं अंडर-15 व अंडर-17 हरियाणा स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप संपन्न हो गई। प्रतियोगिता में अंडर-15 और अंडर-17 वर्ग में रेवाड़ी, गुरुग्राम और फरीदाबाद के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में हरियाणा बैडमिंटन एसो. के अध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस अधिकारी देवेंद्र सिंह ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासचिव अजय कुमार सिंघानिया ने की। देवेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा की खेल संस्कृति पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। महासचिव सिंघानिया ने कहा कि 800 के करीब युवा खिलाड़ियों की भागीदारी ने साबित कर दिया कि हमारे प्रदेश में बैडमिंटन का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है। बैडमिंटन वेलफेयर एसो. भिवानी के अध्यक्ष सुरेश के गुप्ता एवं महासचिव सतवेंद्र सिंह ने सफल आयोजन पर सभी का आभार जताया। इस अवसर पर डीपीई अनिल सांगवान, डॉ. मितेश शर्मा, डॉक्टर अतरसिंह, रोहित साईं, कोच महेश सिंहमार, अर्जुन अवॉर्डी रोहित भाकर, बर्डी बैडमिंटन एरिना के संचालक कोच महेश शर्मा आदि मौजूद रहे।



भिवानी। अतिथियों के साथ विजेता खिलाड़ी।

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम

एसो. के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता एवं महासचिव सतवेंद्र सिंह ने बताया कि अंडर-15 आयु वर्ग के बालक वर्ग के सिंगलस इवेंट में रेवाड़ी के कशिश, डबल्स इवेंट में गुरुग्राम के नक्ष और सर्वर विजेता बने। अंडर-15 आयुवर्ग की बालिका वर्ग के सिंगल्स इवेंट में फरीदाबाद की त्विंकल मलिक, डबल्स इवेंट में पानीपत की सान्वी और त्विंकल की जोड़ी ने बाजी मारी। वहीं मिक्स डबल्स में गुरुग्राम के नक्ष और आहना की जोड़ी विजेता बनी। अंडर-17 आयुवर्ग में बालक वर्ग के सिंगल्स इवेंट में गुरुग्राम के वेदांश , डबल्स इवेंट में रोहतक के दक्ष मलिक और जयवर्धन हुड्डा विजेता बने। अंडर-17 आयु वर्ग के सिंगल्स इवेंट में गुरुग्राम की देवांशी विजेता बनीं। डबल्स इवेंट में हिसार की आराध्या व दिव्यांशी की जोड़ी अव्वल रही। मिक्स डबल्स में फरीदाबाद के रौनक गांधी और जायल राणा की जोड़ी ने खिताब जीता।





डीएसएस मूवी व भिवानी स्टार टीम विजयी

भिवानी। युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से दूर रखने और समाज में सकारात्मक बदलाव की अलख जगाने के उद्देश्य से प्रदेशभर के जाने-माने हरियाणवी कलाकार अभिनय के मंच को छोड़कर क्रिकेट के मैदान पर उतरे हैं। हांसी रोड स्थित आरपीएस खेल ग्राउंड में सोमवार से चार दिवसीय भव्य क्रिकेट लीग का आगाज हुआ। इस लीग में आठ दिग्गज टीमें अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। लीग की शुरुआत हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन शंकरलाल धूपड़ ने की। उन्होंने कहा कि कलाकार समाज के आइने और रोल मॉडल होते हैं। उद्घाटन दिवस पर पहला मुकाबला डीएसएस मूवी व एमएच हरियाणवी के बीच खेला गया, जिसमें डीएसएस मूवी की टीम ने शानदार प्रदर्शन कर जीत हासिल की। दूसरा मुकाबला भिवानी स्टार व डीसी हरियाणवी फिल्म्स के बीच हुआ जिसमें भिवानी स्टार की टीम विजेता रही।

कबड्डी में गांव भावड़ की टीम बनी विजेता

भिवानी। धनाना गांव के स्वामी गणेशानंद हाई स्कूल में अंडर 50 कि.ग्रा. जूनियर महिला नेशनल स्टाइल ओपन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। प्रतियोगिता में जिला सोनीपत से गांव भावड़ की टीम विजेता बनी और 41 हजार रुपये की राशि का पुरस्कार जीती। दूसरे स्थान पर रही कैथल जिले के गांव पाई की टीम को 31 हजार रुपये का इनाम मिला। गांव कुंगड़ और भालोठ की टीमें संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रही, जिनको 11-11 हजार रुपये की राशि इनाम स्वरूप दी गई। पुरस्कार राशि प्रदान करते हुए मुख्यातिथि चेयरपर्सन ऊषा प्रियदर्शी ने कहा कि खेल शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता की भावना विकसित करते हैं। इस मौके पर सर्व जातीय जाटू खाप चौरासी के उपाध्यक्ष कुलदीप घणघस, धनाना प्रथम से सरपंच ममता शर्मा, धनाना द्वितीय के सरपंच वेदपाल जांगडा और धनाना तृतीय के सरपंच राजेश कुमार मौजूद रहे।

अंगद ने रावण के दरबार में जमाया पैर

■ आज रज्जू अहलावत ग्राउंड में होगा दशहरा पर्व, शाम पांच बजे के बाद होगा पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी


भिवानी। श्री रामलीला का मंचन करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

श्रीरामलीला कमेटी की ओर से पुराना शहर स्थित मंच पर आयोजित रामलीला में रविवार रात अंगद-रावण संवाद, विभीषण निष्कासन, लक्ष्मण मूर्छा और संजीवनी बूटी लाने सहित कई प्रसंगों का मंचन किया गया। कलाकारों ने रामायण के प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी अमन मित्तल और पूर्व सरपंच सुदर्शन कमोद ने किया। कमेटी के प्रधान रविंद्र फोगाट और महासचिव संदीप फोगाट ने बताया कि लीला की शुरुआत में हनुमान ने लंका से लौटकर श्रीराम को वहां की स्थिति से अवगत करवाया। इसके बाद श्रीराम की सेना समुद्र तट पर पहुंची। यहां श्रीराम ने शिवलिंग की स्थापना कर समुद्र से मार्ग देने की प्रार्थना की। नल-नील के नेतृत्व में समुद्र पर सेतु निर्माण का मंचन किया गया। इसके बाद वानर सेना पुल के रास्ते लंका पहुंची। युद्ध से पहले रावण को समझाने के लिए बाली पुत्र अंगद को दूत बनाकर भेजा गया। अंगद ने रावण को माता सीता को सम्मानपूर्वक लौटाकर श्रीराम की शरण में जाने की सलाह दी। रावण के इनकार पर अंगद ने भरी सभा में अपना पैर जमा दिया और चुनौती दी कि कोई उसे उठाकर दिखाए। रावण के दरबारी पैर नहीं हिला सके।

लंदन में 14 को सुजीत कलकल को मिलेगा हरियाणा गौरव अवॉर्ड

चरखी दादरी। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता गांव इमलोटा निवासी पहलवान सुजीत कलकल को लंदन में हरियाणा गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। 14 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले हरियाणा दिवस समारोह में उन्हें ओलंपिक पदक की प्रबल उम्मीद वाले खिलाड़ी की श्रेणी में यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। इस घोषणा से दादरी सहित पूरे हरियाणा के खेल जगत में खुशी का माहौल है। हरियाणा इन यूके एसो. के अध्यक्ष कुलदीप अहलावत ने लंदन से इसकी जानकारी दी है।



युवा महोत्सव में 25 से अधिक कॉलेजों के 600 विद्यार्थी दिखाएंगे प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी के 8वें विश्वविद्यालय युवा महोत्सव 'उत्कर्ष-2026' को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। 22 से 24 अक्टूबर तक महिला कॉलेज, झोझू कलां (चरखी दादरी) में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय महोत्सव की तैयारियाँ जोरों पर हैं। विवि और मेजबान महाविद्यालय स्तर पर आयोजन को सफल एवं यादगार बनाने के लिए तैयारियाँ की जा रही हैं। विवि से संबद्ध 25 से अधिक महाविद्यालयों के लगभग 600 विद्यार्थी इसमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विवि की कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन में आयोजित 'उत्कर्ष-2026' विद्यार्थियों की रचनात्मकता, सांस्कृतिक प्रतिभा और युवा ऊर्जा को मंच प्रदान करेगा।

उत्सव जैसा माहौल

महोत्सव को लेकर विद्यार्थियों में अभी से उत्सव जैसा माहौल है। प्रतिभागी अपनी प्रस्तुतियों को बेहतर बनाने में जुटे हैं, वहीं मेजबान महाविद्यालय में मंच व्यवस्था, प्रतियोगिताओं के संचालन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कला, संगीत और रंगमंच की प्रस्तुतियों के माध्यम से परिसर तीन दिनों तक युवा प्रतिभा और सांस्कृतिक उल्लास का साक्षी बनेगा।

खेल प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष कॉफी बनी बेस्ट एथलीट

■ खेलों में छुपा है सेहत का खजाना, करियर की है अपार संभावनाएं : हनुमान शर्मा पाजू

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल


बहल। प्रतियोगिता की विजेताओं को सम्मानित करते भाजपा नेता हनुमान शर्मा पाजू।

राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित 11वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा काफी ने सर्वश्रेष्ठ एथलीट का खिताब हासिल किया। प्रतियोगिता में 800 मीटर दौड़ में विशेश ने प्रथम, हिमांशी ने द्वितीय और तमन्ना ने तृतीय स्थान हासिल किया। समाजसेवी भाजपा नेता हनुमान शर्मा पाजू व उद्योगपति बाबूलाल जिंदल ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए। सोमवार को महाविद्यालय के खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए भाजपा बहल मंडल के कोषाध्यक्ष हनुमान शर्मा पांजू ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग हैं। प्रतियोगिता में 200 मीटर दौड़ में काफ़ी ने पहला, शीतल ने दूसरा और विशेश ने तीसरा हासिल किया। ऊंचो कूद में काफी ने प्रथम, रितिका ने द्वितीय व मोनिका ने तृतीय स्थान हासिल किया।

समाधान शिविर में डीएमसी ने सुनीं लोगों की शिकायतें

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डीएमसी हरबीर सिंह ने लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाते हुए शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। शिविर में गांव सांगवान के राज कुमार ने गंदे पानी की निकासी करवाने, मिताथल के सूरजभान ने गली में बने अवैध शौचालय को हटवाने, गांव कलिंगा के जगदीश ने तालाब से बरसाती पानी निकलवाने की मांग की।

नेहरू हाई स्कूल में नन्हे मुन्ने बच्चों ने डांडिया खेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी


कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

नेहरू हाई स्कूल में सोमवार को विजयदशमी पर्व और डांडिया कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर वरिष्ठ विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल निदेशक जिले सिंह यादव ने की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों और रंग-बिरंगे परिधानों में डांडिया नृत्य से समां बांध दिया। पारंपरिक गीतों की धुन पर बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। स्कूल निदेशक जिले सिंह यादव ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को विजयदशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह पर्व सत्य, अनुशासन और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीराम का जीवन युवाओं के लिए आदर्श है।

न्यूज डायरी



एचडी स्कूल में मनाया दशहरा उत्सव

चरखी दादरी। एचडी स्कूल बिरोहड़ में दशहरा उत्सव हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम की लीला से जुड़े विभिन्न पात्रों का अभिनय कर रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। बच्चों ने राम-लक्ष्मण, हनुमान और वानर सेना के किरदारों में आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों की वेशभूषा और उत्साह ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया। उत्सव का मुख्य आकर्षण 15 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन रहा। विद्यालय के निदेशक बलराज फौगाट ने कहा कि दशहरा सत्य और अच्छाई की विजय का प्रतीक है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने के साथ उनके व्यक्तित्व विकास में भी अहम भूमिका निभाते हैं।



आदर्श स्कूल में मनाया विजयदशमी पर्व

चरखी दादरी। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बौंद कलां में विजयदशमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने आकर्षक वेशभूषा में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर भारतीय संस्कृति और परंपराओं की झलक प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विजयदशमी के महत्व, भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों से परिचित करवाना रहा। प्रस्तुतियों के माध्यम से बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अन्याय पर न्याय की विजय का संदेश दिया। विद्यार्थियों को भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाने और जीवन में सत्य, अनुशासन व ईमानदारी के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के निदेशक प्रताप सिंह यादव ने विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों को विजयदशमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक सोच विकसित करते हैं। प्राचार्य कृष्णदत्त ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

नशा सबसे बड़ी चुनौती : विधायक

बवानीखेड़ा। मेरा युवा भारत द्वारा बवानीखेड़ा स्थित ठा. शंभू सिंह राजकीय महिला महाविद्यालय नशा मुक्त युवा - विकसित भारत थीम पर युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला युवा अधिकारी मनसा ने की। विधायक ने नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समृद्ध राष्ट्र के लिए समाज का नशा मुक्त होना जरूरी है। विधायक ने कहा कि नशा आज युवा पीढ़ी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। युवाओं को न केवल स्वयं को नशे से दूर रखना है बल्कि दूसरों को भी नशा मुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना चाहिए। नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत का निर्माण कर सकता है। विधायक ने कहा कि नशा इंसान के जीवन को बर्बाद कर देता है। शौक के तौर पर शुरू किया गया नशा इंसान को अपना आदी बना लेता है। विद्यार्थियों ने अपने विचार रखे और बवानी खेड़ा को नशा मुक्त बनाने की शपथ भी ली। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत जिला युवा अधिकारी मनसा लेखा एवं कार्यक्रम सहायक जीतेन्द्र सैनी, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रवीण कुमार, डॉ अमित, डॉ सुमित चौहान, डॉ चंद्रभान, डॉ नवीन कुमार, सिविल हॉस्पिटल से डॉ सुमन पानू, हेमंत सैनी, सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण गोलागढ, सचिन कुमार, मोहित कुमार आदि मौजूद रहे।



लिटिल हार्टस ग्रुप ऑफ स्कूल में दशहरा मनाया

भिवानी। दशहरे की पूर्व संध्या पर लिटिल हार्टस स्कूलों के प्रांगण में दुर्गा नवमी व विजयदशमी के त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास से मनाये गये। इस अवसर पर विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एम.डी. पवन गोयल व भावना गोयल, प्रबंधक सतीश गोयल व रवि गोयल ने बताया कि इस प्रकार के त्योहार मनाने से बच्चों का भारतीय संस्कृति के प्रति जुड़ाव बना रहता है व विद्यार्थियों में सांस्कृतिक भावना का संचार होता है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर लिटिल हार्टस ग्रुप के सभी विद्यालयों में बच्चों ने बड़े ही आकर्षक ढंग से डांडिया व गरबा प्रस्तुत करते हुए दुर्गा नवमी का पर्व मनाया व सबको भक्ति के रंग में रंग दिया। निदेशक रामानन्द सिंघल, ऐश्वर्या सिंघल, राहुल गोयल, विनय गोयल, निश्चल गोयल, मेघा जैन, साक्षी गोयल व प्रियांश गोयल ने बताया कि कुसुम्भी मोड़ स्थित लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल देवसर व शिव नगर स्थित लिटिल हार्टस कॉन्वेंट स्कूल में विद्यार्थियों द्वारा बड़े ही आकर्षक ढंग से रामलीला का मंचन किया गया।

अमर सिंह सरपंच बने सर्वसम्मति से प्रधान

तोशाम। सोमवार को तोशाम स्थित डायमंड वैली रेस्तरां में क्रेशर मालिकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें लगभग सभी क्रेशर मालिक उपस्थित रहे। बैठक में व्यापारियों के हितों की रक्षा, आपसी एकता को मजबूत करने तथा व्यापार को सुचारू रूप से चलाने के उद्देश्य से एक नए संगठन का गठन किया गया। इस दौरान अमर सिंह सरपंच को सर्वसम्मति से संगठन का प्रधान चुना गया। साथ ही, बैठक में निर्णय लिया गया कि पूर्व में गठित सभी कमेटियों को निरस्त किया जाता है तथा नवगठित संगठन ही आगे व्यापारियों के हितों से जुड़े विषयों पर कार्य करेगा। इस दौरान नवगठित कमेटी के प्रधान अमर सिंह पूर्व सरपंच को चुना गया।

श्री लाल बहादुर शास्त्री स्कूल में नवरात्रि एवं दशहरा पर्व उत्साह के साथ मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा स्थित श्री लाल बहादुर शास्त्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आज नवरात्रि के अंतिम दिन एवं दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय का वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण रहा। विद्यार्थियों ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेकर भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों का सुंदर संदेश दिया। प

रातः कालीन प्रार्थना सभा में विद्योर्थियों को नवरात्रि पर्व के महत्व तथा मां दुर्गा के नौ दिव्य स्वरूपों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों को इन स्वरूपों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अच्छे संस्कार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न देवियों के स्वरूप धारण कर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने नारी शक्ति, धर्म, साहस और बुराई के विरुद्ध संघर्ष का संदेश दिया। दशहरा पर्व के अंतर्गत विद्यार्थियों ने स्वयं रावण का पुतला तैयार करके दहन किया।



बवानीखेड़ा। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व शिक्षक।

दुल्हेड़ी में मजदूरों को अधिकारों व योजनाओं की दी जानकारी

तोशाम। ग्राम पंचायत दुल्हेड़ी खंड तोशाम में सामाजिक अंकेक्षण इकाई चंडीगढ़ के दिशा-निर्देशानुसार पंचायत निर्णय एप के माध्यम से मनरेगा की सफल ग्राम सभा आयोजित की गई। ग्राम सभा में मनरेगा से जुड़े श्रमिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्राम सभा के दौरान गत वित्त वर्ष में ग्राम पंचायत दुल्हेड़ी द्वारा मनरेगा के तहत करवाए गए सभी कार्यों का विवरण आमजन के समक्ष पढ़कर सुनाया गया। उपस्थित ग्रामीणों एवं मनरेगा श्रमिकों को योजनाओं में पारदर्शिता, जनभागीदारी तथा सामाजिक अंकेक्षण के महत्व के बारे में भी बताया गया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकारों ने जीवंत प्रस्तुति से जीता सबका मन

रावण-अंगद संवाद व लक्ष्मण मूर्छा का मंचन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सेठ किरोड़ीमल पार्क में श्रीअग्रसेन रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित 11 दिवसीय संपूर्ण रामलीला महोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के 8वें दिन दर्शकों का भारी उत्साह देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए धार्मिक प्रसंगों ने उपस्थित जनसमूह को पूरी तरह भावविभोर कर दिया।

रामलीला मंच पर रावण-अंगद संवाद, लक्ष्मण मूर्छा और हनुमानजी द्वारा संजीवनी बूटी लाने जैसे प्रमुख प्रसंगों का अत्यंत सजीव मंचन किया। इस दौरान पूरा पार्क परिसर जय श्रीराम व जय हनुमान के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो गया। कार्यक्रम में दिल्ली के सीनियर इनकम टैक्स कमीश्नर नरेश बंसल ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की, जबकि अध्यक्षता विधायक घनश्याम सर्राफ का रहा। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर समाजसेवी मीनू अग्रवाल, नीलम जैन, रमेश बंसल, सूर्यांश अग्रवाल, संदीप पीटीसी व हर्षवर्धन मान पहुंचे। रामलीला कमेटी के प्रधान विजय बंसल ने अतिथियों का स्वागत किया और रामलीला के इन पावन प्रसंगों की रूपरेखा सांझा की।


भिवानी। रामलीला का मंचन करते कलाकार।

दर्शक पूरी तरह मंत्रमुग्ध नजर आए

रामलीला के इन प्रमुख प्रसंगों विशेषकर रावण-अंगद संवाद और लक्ष्मण मूर्छा का मंचन समाज को सत्य, धर्म, कर्तव्यपरायणता और अटूट भाईचारे का संदेश देता है। रावण व अंगद के बीच का संवाद जहां अहंकार के पतन और बुद्धि एवं अडिग संकल्प की विजय को दर्शाता है, वहीं लक्ष्मण मूर्छा और संजीवनी बूटी लाने का प्रसंग संकट के समय एकजुटता, अटूट निष्ठा और सेवाभाव की प्रेरणा देता है। अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के अभिनय और आधुनिक प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था ने इन दृश्यों को और अधिक प्रभावशाली बना दिया, जिससे दर्शक पूरी तरह मंत्रमुग्ध नजर आए।

खबर संक्षेप

गुजरानी में मनाएंगे महर्षि वाल्मीकि जयंती

भिवानी। गुजरानी स्थित वाल्मीकि चौपाल में 25 अक्तूबर को सुबह 10 बजे समस्त ग्रामीणों के सहयोग से महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई जाएगी। जयंती समारोह में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि बतौर मुख्यतिथि शिरकत करेंगे। यह जानकारी देते हुए पूर्व पटवारी महावीर सिंह ने बताया कि जयंती समारोह को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं।

छात्रवृत्ति के आवेदन की तिथि 31 तक बढ़ी

भिवानी। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक एवं टॉप क्लास छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब पात्र विद्यार्थी 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षण संस्थानों द्वारा आवेदनों का सत्यापन 15 नवंबर तथा जिला एवं राज्य नोडल अधिकारियों द्वारा सत्यापन 30 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी रविन्द्र सिंह ने सभी स्कूलों एवं शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने यहां पढ़ रहे पात्र दिव्यांग विद्यार्थियों को जल्द से जल्द आवेदन करवाएं।

पराली प्रबंधन पर 1200 रुपये प्रति एकड़ मिलेंगे

चरखी दादरी। धान की कटाई के बाद फसल अवशेषों का खेत में ही प्रबंधन करने के लिए हरियाणा सरकार किसानों को प्रति एकड़ 1200 रुपये की प्रोत्साहन राशि दे रही है। इसके लिए किसानों का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उनके भूमि रिकॉर्ड में रेड एंट्री भी दर्ज की जाएगी। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि जिले में पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी और रोकथाम के लिए जिला, ब्लॉक और गांव स्तर पर टीमें गठित की गई हैं।

104 वाहन जांचे और तीन के चालान भी काटे

भिवानी। पुलिस द्वारा आमजन की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, रात्रि के समय आपराधिक एवं असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में रात्रि को उप पुलिस अधीक्षक सिवानी सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में जिले में दो स्थानों झुपा नाका और कितलाना नाका पर विशेष नाकाबंदी एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने आने-जाने वाले वाहनों की गहनता से जांच की तथा संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखी। विशेष चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा कुल 104 वाहनों की जांच की गई।

कन्याओं को भोजन खिलाकर एवं उपहार भेंटकर मांगा परिवार की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद लिया

नवरात्र संपन्न, अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने अष्टमी और नवमी की कढ़ाई कर किया कन्या पूजन

श्रद्धालुओं ने माता की कढ़ाई एवं कन्या पूजन के बाद नौ दिन से चल रहे उपवास खोले और माता रानी से छह माह बाद फिर से आने की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी



भिवानी। नवरात्रों के समापन पर भोजन ग्रहण करती कन्याएं। फोटो : हरिभूमि



भिवानी। कंजक पूजन में शामिल कन्याएं व श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि



भिवानी। श्रीश्याम मंदिर में कन्या पूजन करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

सोमवार को श्राद्ध नवरात्र संपन्न हो गए। श्रद्धालुओं ने नवरात्रों के अंतिम दिन अष्टमी व नवमी की कढ़ाई करके कन्याओं का पूजन किया। श्रद्धालुओं ने कन्याओं को भोजन खिलाकर एवं उपहार भेंटकर परिवार की सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। श्रद्धालुओं ने माता की कढ़ाई एवं कन्या पूजन के बाद नौ दिन से चल रहे उपवास खोले और माता रानी से छह माह बाद फिर से आने की कामना की।

उल्लेखनीय हैं कि नवरात्रों में माता रानी की पूजा अर्चना एवं उपवास रखने के लिए मां के भक्त बड़े जोरों से तैयारी करते हैं। माता के भक्त बाजार में खरीददारी करके घर में माता का दरबार सजाते हैं, ताकि माता रानी की कृपा दृष्टि परिवार पर बनी रहे। रविवार को सुबह 10 बजे के बाद अष्टमी शुरू हुई, जो सोमवार को 10 बजे तक रही और इसके बाद नवमी शुरू हो गई, ऐसे में जिन श्रद्धालुओं की नवरात्रों की अष्टमी को कढ़ाई होती हैं, उन्होंने सोमवार को सूर्योदय की अष्टमी की कढ़ाई करके कन्याओं को भोजन करवाया।

वहीं अनेक श्रद्धालुओं ने 10 बजे के बाद नवमी की कढ़ाई करके कन्याओं को भोजन करवाया और नौ दिन से चल रहे उपवास को खोला। माता रानी के भक्तों ने नौ दिन के उपवास खोलकर माता रानी से परिवार की सुख समृद्धि एवं कृपा दृष्टि बनाएं रखने की कामना की एवं मन्नतें मांगी। कई जगहों पर मंदिरों व शिक्षण संस्थानों में नवरात्रों पर हवन यज्ञ हुआ। प्राचीन वैदिक परंपरा के अनुसार हवन की अग्नि के माध्यम से देवी-देवताओं का आह्वान किया जाता है और वातावरण की शुद्धि होती है। हवन यज्ञ न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करता है, बल्कि व्यक्ति की सभी नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मकता का संचार होता है। कंजक पूजन में विशेष रूप से छोटी कन्याओं को देवी के रूप में आमंत्रित कर उनकी पूजा की जाती हैं, इन्हें माता के नौ रूपों का प्रतीक मानकर पहले पैर धोकर, तिलक लगाकर भोजन करवाया जाता हैं और भोजन करवाकर उनका आशीर्वाद लिया जाता हैं।

दुर्गा मंदिर में मेला और भंडारा आज

नया बाजार स्थित भोजावाली देवी माता मंदिर व दुर्गा कॉलोनी लाइन पार दुर्गा मंदिर में मंगलवार को नौवीं पर मेले लगेगा। माता भोजावाली व मां दुर्गा के दर्शनों के लिए मेले में भारी भीड़ उमड़ती हैं। मंदिरों में माता रानी के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर समिति की ओर से हलवा व छोले का प्रसाद वितरित किया जाता हैं। वहीं मेले के बाहर बच्चों के लिए खिलौनों व महिलाओं के लिए श्रृंगार के सामान की स्टॉलें लगती हैं, जहां बच्चे व महिलाएं जमकर खरीददारी करते हैं।

श्रीमती देवीबाई आश्रम में कंजक पूजन किया

भिवानी। रामगंज महोल्ला स्थित श्रीमती देवीबाई आश्रम में सोमवार को कंजक पूजन एवं हवन का आयोजन हुआ। आश्रम के प्रधाना आशु कामरा के मार्गदर्शन में हुए धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ करवाए हवन से हुआ। हवन की पूर्णाहुति के उपरांत परंपरा अनुसार नन्हीं-मुन्नी कन्याओं के चरण पखारकर और माथे पर तिलक लगाकर उनका विधिपूर्वक पूजन किया। इसके बाद कन्याओं को आदरपूर्वक भोजन करवाया एवं उपहार व दक्षिणा देकर आशीर्वाद प्राप्त किया। शास्त्री ने उपस्थित संगत को कंजक पूजन की धार्मिक महिमा समझाते हुए कहा कि मां भगवती के स्वरूपों व आदिशक्ति की कृपा प्राप्त करने का सबसे उत्तम मार्ग कन्या पूजन है। नन्हीं कन्याएं साक्षात देवी का रूप होती हैं और उनका आदर-सत्कार करने से घर-परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता अविनाश सदाना ने मुख्यतिथि शिरकत की। कामरा ने बच्चों को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने एवं शिक्षित बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि बच्चे ही हमारे समाज एवं देश का असली भविष्य हैं। जब देश के बच्चे शिक्षित होंगे, तभी भारत का युवा सशक्त होकर देश को उन्नति के शिखर पर ले जाएगा। अधिवक्ता अविनाश सरदाना ने कहा कि हर बच्चे के लिए उसके माता-पिता ही उसके सबसे सच्चे और सबसे बड़े मित्र होते हैं।

बेटियां हमारे समाज का आधार स्तंभ

भिवानी। शारदीय नवरात्रि के पर्व के समापन एवं महानवमी पर सोमवार को बीटीएम चौक स्थित श्रीश्याम मंदिर में कन्या पूजन किया। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान मंदिर परिसर पूर्णतः भक्तिमय माहौल में रंगा नजर आया, जहां श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ छोटी-छोटी कन्याओं का पूजन कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह के दौरान कन्याओं को मंदिर परिसर में आदरपूर्वक बिठाकर उनके चरण धोए, तिलक लगाकर आरती उतारी और उन्हें हलवा, पूरी व चने का प्रसाद परोसा। पूजन के अंत में सभी कंजकाओं को उपहार और दक्षिणा देकर विदा किया। श्रीश्याम मंदिर के संस्थापक घनश्याम शर्मा ने कहा कि कन्या पूजन केवल एक धार्मिक परंपरा या रस्म नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में नारी शक्ति के प्रति अगाध सम्मान और श्रद्धा का प्रतीक है। बेटियों को केवल पूजन के दिन ही नहीं, बल्कि वर्ष के प्रत्येक दिन वही मान-सम्मान, सुरक्षा और आगे बढने के समान अवसर मिलने चाहिए। जब हम बेटियों को शिक्षित और सशक्त बनाएंगे, तभी एक समृद्ध और सकारात्मक समाज की नींव मजबूत हो सकेगी। मंदिर समिति की ओर से आयोजित इस प्रेरणादायी कार्यक्रम ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि बेटियों के संरक्षण और उनके प्रोत्साहन का एक सकारात्मक संदेश भी जन-जन तक पहुंचाया।

दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में कंजक पूजन कर मां भगवती का लिया आशीर्वाद

भिवानी। कोर्ट रोड स्थित काली माता मंदिर रोड पर दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में नवरात्रों के नौवें दिन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ कंजक पूजन किया। मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनका पूजन किया। इसके बाद कन्याओं को भोजन करवाकर फल, मिठाई, उपहार व दक्षिणा भेंट की। श्रद्धालुओं ने मां भगवती के समक्ष शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। मंदिर की प्रबंधक उर्मिला सैनी व पुजारी शुभम ने बताया कि नवरात्रों के दौरान मंदिर में प्रतिदिन हवन-यज्ञ व पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने मां भगवती के दरबार में पहुंचकर आहुति डाली और परिवार तथा समाज की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की।



गांव दुल्हेड़ी में मेला भंडारा और कब्बडी प्रतियोगिता 26 को

तोशाम। आगामी 26 अक्टूबर को गांव दुल्हेड़ी के बाबा मुंगीपा मंदिर में बाबा मुंगीपा कमेटी द्वारा 30वाँ विशाल मेला आयोजित किया जाएगा वहीं कबड्डी प्रतियोगिता सहित बुजुर्गों की दौड़ प्रतियोगिता भी आयोजित करवाई जाएगी। इस दौरान मेले का शुभारंभ बतौर मुख्यअतिथि बहल के पूर्व सरपंच एवं प्रसिद्ध समाजसेवी गजानंद अग्रवाल करेंगे। इस दौरान बाबा मुंगीपा का देशी घी के प्रसाद का भोग लगाकर भंडारा भी आयोजित किया जाएगा। भंडारे का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि गुरुग्राम से आने वाले विनय मंगल और रवि मंगल दुल्हेड़ी वाले करेंगे। कार्यक्रम के दौरान ज्योति प्रज्ज्वलित भागीरथ मंगल दुल्हेड़ी वाले करेंगे तो कार्यक्रम में सेठ सत्यनारायण मंगल, रमेश गर्ग, कृष्ण पूर्वा, राजकुमार सैनी, प्रदीप शास्त्री बतौर अतिथि मौजूद रहेंगे। इस दौरान कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों का स्वागत गांव के सरपंच रामेश्वर इंदौरा तथा बाबा मुंगीपा कमेटी दुल्हेड़ी के प्रधान बीर सिंह चौहान करेंगे। यह जानकारी देते हुए कमेटी प्रधान बीर सिंह चौहान ने बताया कि मेले के दौरान सेवा सहित संपूर्ण व्यवस्था युवा स्वच्छता एवं जनसेवा समिति द्वारा संभाली जाएगी।

साइंस सेमिनार में हरियाणा से बीके विद्यालय के छात्र ने लहराया परचम

बवानीखेड़ा। बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बवानीखेड़ा के विद्यार्थी ने साइंस सेमिनार में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि विद्यालय के होनहार विद्यार्थी अक्षय कुमार मिश्रा ने गुरुग्राम द्वारा आयोजित साइंस सेमिनार में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अक्षय कुमार मिश्रा की इस उत्कृष्ट उपलब्धि के आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 30 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित होगी। विद्यार्थी की इस अभूतपूर्व सफलता पर प्रधानाचार्य जी ने अक्षय को बधाई देते हुए कहा कि अक्षय कुमार मिश्रा की यह सफलता उसकी लगन, कठोर परिश्रम और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का परिणाम है। राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर उसने न केवल अपने माता-पिता और गुरुओं का मान बढ़ाया है, बल्कि हमारे पूरे विद्यालय परिवार का सिर गर्व से ऊँचा किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि अक्षय राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम पूरे देश में रोशन करेगा। विद्यालय परिवार हर कदम पर उसकी सफलता के लिए मार्गदर्शन और सहायक बना रहेगा। विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थी की अनवरत मेहनत, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के निरंतर सहयोग को दिया। इस अवसर पर प्रबंधन समिति सचिव योगेश शर्मा, वरिष्ठ विभाग संचालक योगेंद्र सिंह, कनिष्ठ विभाग संचालिका मंजू मलिक आदि मौजूद रहे।



बवानीखेड़ा। सेमिनार में अव्वल रहने वाला विद्यार्थी।



चरखी दादरी। एचसीएस में चयनित डॉ. पराग पिलानिया को सम्मानित करते सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक उमेद पातुवास व अन्य।

हरियाणा सिविल सेवा में चयनित डॉ. पराग पिलानिया को किया सम्मानित

चरखी दादरी। हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) परीक्षा में गांव डाढी बाना निवासी डॉ. पराग पिलानिया ने सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। डॉ. पराग पिलानिया के एचसीएस में चयनित होने पर आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल झोझूकलां में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह, विधायक सुनील सतपाल सांगवान, विधायक उमेद पातुवास व भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सुनील सैन इंजीनियर ने शिरकत की और डॉ. पराग पिलानिया को सम्मानित किया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि बेटी की उपलब्धियों पर सबको गर्व है। डॉ. पराग की उपलब्धि युवाओं एवं खासकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है। सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि डॉ. पराग की सफलता से क्षेत्र की अन्य बेटियों और युवाओं को भी आगे बढ़ने तथा अपने लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी। डॉ. पराग पंचायतीराज विभाग से कनिष्ठ अभियंता पद से सेवानिवृत्त अजीत सिंह की बेटी व सांसद धर्मबीर सिंह के पीएसओ अनिल पिलानिया की भतीजी हैं।

कैरू के आदर्श कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दशहरा पर्व कार्यक्रम मनाया

तोशाम। आदर्श कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैरू में विजयादशमी यानी दशहरा पर्व के पावन अवसर पर धूमधाम से विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय रामायण और दशहरा के महत्व को बच्चों तक पहुंचाना था। दशहरा पर्व पर आयोजित इस कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर कक्षा दूसरी के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चे रामायण के विभिन्न पात्रों के रूप में मंच पर आए और अभिनय के माध्यम से त्याग, प्रेम और सत्य का संदेश दिया। नन्हे कलाकारों के आत्मविश्वास और संवाद अदायगी ने सभी शिक्षकों और उपस्थित जनों का दिल जीत लिया। इस अवसर विद्यालय के चेयरमैन आरके बंगालिया भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा विद्यार्थियों और अभिभावकों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमें अहंकार, अन्याय और बुराई कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अंत में सत्य और धर्म की ही जीत होती है। अंत में प्राचार्य डॉ. के सुब्बुलक्ष्मी चेन्नई ने अपने संबोधन में कहा कि दशहरा जैसे पर्व बच्चों को हमारी संस्कृति से जोड़ते हैं। आज के समय में बच्चों को यह समझना बहुत जरूरी है कि दशहरा केवल रावण दहन नहीं, बल्कि अपने अंदर के क्रोध, झूठ और अहंकार को खत्म करने का पर्व है।



तोशाम। स्कूल में दशहरा पर्व मनाते हुए।

बवानीखेड़ा के वार्ड की 13 सप्लाई में आ रहा काला पानी, लोग परेशान



बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा शहर के वार्ड नंबर 13 में पिछले कई दिनों से पीने के पानी की जगह नलों से काला और बदबूदार पानी आ रहा है। गंदा पानी आने से वार्ड वासी परेशान हैं, लेकिन जल आपूर्ति विभाग इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा। स्थानीय निवासियों दयानंद, राकेश, राहुल, रमेश आदि ने बताया कि रोजाना सुबह-शाम जब नल खोलते हैं तो उसमें से कीचड़ मिला काला पानी निकलता है। इस पानी को न तो पीने के काम में लिया जा सकता है और न ही घरेलू कामों में। मजबूरन लोगों को दूर से साफ पानी लाना पड़ रहा है या फिर महंगे दामों पर कैन खरीदने पड़ रहे हैं। वार्ड वासियों का कहना है कि कई बार इस शिकायत को लेकर जलघर और नगरपालिका कार्यालय में मौखिक और लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। गंदा पानी पीने से बच्चों और बुजुर्गों के बीमार पड़ने का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों में पेट दर्द, उल्टी और चर्म रोग की शिकायतें सामने आने लगी हैं। वार्डवासियों ने कहा हम टैक्स भी देते हैं और बिल भी भरते हैं, फिर भी हमें पीने लायक पानी नहीं मिल रहा। अधिकारियों को कई बार फोन किया, लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। वहीं रमेश ने कहा कि गंदे पानी के कारण घरों में रखे बर्तन और कपड़े भी खराब हो रहे हैं।

कैंसर पीड़ित के लिए देवदूत बने दो युवा, दुर्लभ एबी नेगेटिव रक्त देकर बचाई जान

भिवानी। चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में एक बार फिर इंसानियत की अनूठी मिसाल देखने को मिली। अस्पताल में उपचाराधीन गंभीर कैंसर रोगी को अचानक अति दुर्लभ एबी नेगेटिव ब्लड ग्रुप के रक्त की सख्त जरूरत पड़ गई। परिजनों के काफी प्रयास के बाद भी जब दुर्लभ रक्त उपलब्ध नहीं हुआ तो ब्लड बैंक के डॉ. रोहित महला ने राजेश डुडेजा को सूचना दी, तभी डुडेजा ने अपनी टीम के सक्रिय सदस्यों को सूचना दी तो दो रक्तवीर मनीष सोनी और राजीव कुमार तुरंत सिविल अस्पताल अस्पताल ब्लड बैंक पहुंचे और रक्तदान कर मरीज को नया जीवनदान दिया। इस मौके पर शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा विशेष रूप से मौजूद रहे और उन्होंने दोनों रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। डुडेजा ने कहा कि एबी नेगेटिव सबसे दुर्लभ रक्त समूहों में से एक है। संकट की घड़ी में जब मरीज व उसके परिजन उम्मीद खो रहे थे, तब मनीष सोनी और राजीव का तुरंत आगे आना इंसानियत का सबसे बड़ा उदाहरण है। वहीं रक्तदाता राजीव ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इस मौके पर डॉ. रोहित महला, नर्सिंग अधिकारी सुमन व शर्मिला उपस्थित रहीं।



भिवानी। रक्तदाता को बैज लगाते रक्तवीर राजेश डूडेजा।

गुप्ता संरक्षक व जिला प्रधान सिंगला एसो. के चेयरमैन बने

- दादरी कैमिस्ट एसोसिएशन की कार्यकारिणी का किया विस्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी



चरखी दादरी। कैमिस्ट एसोसिएशन के चुने गए पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

दादरी कैमिस्ट एसोसिएशन चरखी दादरी की बैठक रविवार शाम को म्युनिसिपल कांप्लेक्स में हुई। एसो. के नवनिर्वाचित प्रधान संदीप वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों और सदस्यों की नियुक्ति की गई। बैठक में दवा विक्रेताओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में विनोद भूषण गुप्ता को एसोसिएशन का संरक्षक तथा जिला प्रधान सुनील सिंगला को चेयरमैन नियुक्त किया। नरेश जैन को महासचिव, बलवान सिंह और अमर गोयल को उपप्रधान तथा राजेश खजांची को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी। इसी क्रम में सुनील जांगड़ा को ऑडिटर, सत्यदेव को सचिव व अरुण फौगाट को सहसचिव बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अनिल, चंद्रशेखर, दिलेर गेरा व अश्वनी को शामिल किया। बैठक में नवनिर्वाचित प्रधान संदीप वर्मा ने कार्यकारिणी के विस्तार के साथ संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295154800, 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

समग्र शिक्षा भिवानी द्वारा केबीसी 3.0 पर विद्यालय मुखियाओं के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम

विद्यार्थियों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के तरीके बताए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

समग्र शिक्षा, भिवानी के तत्वावधान में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भिवानी में जिले के सभी विद्यालय प्राचार्यों एवं मुखियाओं के लिए केबीसी 3.0 के अंतर्गत अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला परियोजना समन्वयक शिव कुमार तंवर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय मुखियाओं को केबीसी 3.0 कार्यक्रम की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों एवं विद्यालय स्तर पर इसके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के समन्वयक विवेक अधलखा, प्राचार्य एवं सहायक परियोजना समन्वयक रहे, जबकि सूर्यमणि ने नोडल अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका निभाई। कार्यक्रम में उद्यम फाउंडेशन के प्रशिक्षक राजेश एवं अंशु ने प्रतिभागियों को केबीसी 3.0 से संबंधित विभिन्न पहलुओं, गतिविधियों के संचालन तथा विद्यार्थियों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने विद्यालय मुखियाओं को कार्यक्रम की गतिविधियों को योजनाबद्ध तरीके से संचालित करने तथा विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। जिला परियोजना संयोजक शिव कुमार तंवर ने विद्यालय मुखियाओं से आह्वान किया कि वे कार्यक्रम के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए अपने-अपने विद्यालयों में केबीसी 3.0 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं कौशल संवर्धन के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने अभिमुखीकरण को उपयोगी बताते हुए विद्यालय स्तर पर प्राप्त मार्गदर्शन को लागू करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।





कार्यक्रम का समापन केबीसी 3.0 के प्रभावी संचालन एवं विद्यार्थियों में कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर राकेश रोहिल्ला, मीना रानी, सुमन तोमर, नरेंद्र, बलदेव, रवि कुमार, प्रवीण तंवर, जलज, राकेश यादव एवं लक्ष्मी सहित कार्यक्रम की प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।